परिशिष्ट-6 सौंदर्यबोध

१.इ ंद्रियग्राह्य बिंब

इंद्रियग्राह्य बिंबों को पाँच भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

स्पर्श बिंब- कमल जैसा कोमल, काँटे की तरह कसकना

छुईमुई होना, कद्दू का फूल (बहुत सुकुमार : जो उँगली दिखाने से भी मुरझा जाता है।)

गंध बिंब लपट आबै निबुअन की रसबगिया कितनी दूर

पाप छिपाए ना छिपै जैसे लहसन बास।

ध्वनि बिंब पत्ता खटकना, पपैया बोलौ बाग में

रस बिंब मन खट्टा होना, गिलोय और नीम चढ़ी, मिर्च लगना

ऐसे फरफेंदुआ मीठे होते तो घोंदुआ छोड़ देते,

मीठी कचरिया के मीठे जो बीजा मीठे ससुर जी के बोल।

रूप बिंब नीलकमल जैसा वर्ण, हल्दी जैसा पीला

वर्ण रंग

चाक्षुष-संवेदना के आधार पर लोकमानस ने वृक्ष-वनस्पतियों के रंगों को पहचाना है और ये रंग उन्हीं की संज्ञा के अनुसार ग्रहण किए जाते हैं, जैसे- नारंगी रंग, गेहुआँ रंग, धानी रगं, मूँगिया, बादामी रंग, किशमिशी, अंगूरी, कपासी, कत्रेरी, केलई, कपूरी, केसरिया, कत्थई, प्याजी, पिस्तई, नीबुआ, जामुनी, अन्नारी, सरबती, चंपई, बैंगनी और सब्जी।

२. उपमान लोकगीतों में

उपमेय	उपमान	उपमेय	उपमान
नेत्र	कमल	यौवन	सोनजुही फूल

© इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र पहला संस्करणः १९९७

All rights reserved. No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

			आम गदराना नीबू-नारंगी उभरना
मुख	कमल		महकना फूल फूलना
सिर	नारियल		
		नवजात शिशु	गुलाब फूल
केश (बुढ़िया के)	सन घास		
		लकड़ी	बेल
आँख	कमल, आम की खाँप		
नाक	चम्पा	कठोर बात	काँटा
ओठ	बिंबा	विरहिणी	पीला पत्ता छुहारा
जीभ	कमल		
दाँत	कुंद, अनार के बीज चावल		
बाँह	पीपल की डाल		
उँगली	कपास की फली		
जाँघ	कदलीस्तंभ		
चरण	कमल		

© इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र पहला संस्करणः १९९७

All rights reserved. No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.